7 जनवरी, 2010 को लुसाका में भारतीय समुदाय द्वारा अभिनंदन समारोह में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री मो. हामिद अंसारी का अभिभाषण

जाम्बिया में आप सभी से मिलकर मैं बहुत खुश हूं। इस मित्र देश में हमारे आगमन से लेकर अब तक मैने और मेरी पत्नी ने जाम्बिया की सरकार और जनता द्वारा गर्मजोशी से किए गए स्वागत और शानदार ढंग से की गई आवभगत का आनंद उठाया है। हमने जाम्बिया के प्राकृतिक सौदंर्य और हरे-भरे क्षेत्रों का भी आनंद उठाया है और कल अपनी लिविंगस्टोन की यात्रा के दौरान हम विक्टोरिया फाल्स की भव्यता को देखकर हतप्रभ हो गए। यह वास्तव में एक यादगार अनुभव रहा।

देवियो और सज्जनो,

भारत और जाम्बिया के बीच ऐतिहासिक रिश्ते रहे हैं जो औपनिवेशिक शासन के विरूद्ध संघर्ष और लोकतांत्रिक राज्य व्यवस्था, बहु-सांस्कृतिक समाज, कानून का शासन तथा मानवाधिकारों एवं मौलिक स्वतंत्रता के प्रति हमारी पारस्परिक प्रतिबद्धता के साझे अनुभव पर आधारित हैं। यहां जाम्बिया में एक शताब्दी से भी अधिक समय से भारतीय समुदाय के लोग रह रहे हैं और उन्होंने जाम्बिया को अपना घर बना लिया है। यह समुदाय हमारे गतिशील द्विपक्षीय संबंधों के एक महत्वपूर्ण पहलू का प्रतिनिधित्व करता है। इन्होंने दोनों देशों और उनकी जनता के बीच सहयोग और मैत्री के सेतु को स्थापित करने में मदद की है। जहां जाम्बिया ने आपको तहेदिल से गले लगा लिया है, वहां आपने भी स्वयं को स्थानीय परिस्थितिओं के अनुसार ढ़ाल लिया है और इस महान देश के विकास में भारी योगदान दिया है।

आपस में एक-दूसरे से तेजी से जुड़ती हुई वैश्विक व्यवस्था में प्रवासी भारतीय वैश्विक नागरिक हैं। तथापि, जाम्बिया में और अन्यत्र भी, भारतीय समुदाय भारत की तरह एक बहुलवादी समुदाय है। हमारी साझी संस्कृति और साझे जीवन मूल्य हमें एक-दूसरे से बांध कर रखते हैं। हम विश्व भर में फैले हुए लगभग 26 मिलियन प्रवासी भारतीयों के समुदाय जिसमें जाम्बिया के आपके समुदाय के लोग भी पर्याप्त संख्या में शामिल हैं, के साथ अपने रिश्ते दृढ़ करने और उनमें विविधता लाने में दिलचस्पी रखते हैं। इस दृष्टिकोण को साकार करने के लिए भारत सरकार ने अनेक प्रयास किए हैं। इन मामलों को देखने के लिए नोडल मंत्रालय के रूप में प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय का सृजन किया गया है।

प्रवासी भारतीयों की आशाओं एवं आकांक्षाओं को पूरा करने की सरकार की गहन प्रतिबद्धता के अनुसार वीजा व्यवस्था को भी उदार बना दिया गया है। अगस्त 2005 में प्रवासी भारतीय नागरिकता (ओ.सी.आई.) योजना की शुरूआत की गई और इससे भारत में आपकी यात्रा और भारत के साथ आपके रिश्ते को काफी सुगम बनाया जा सका है। हम चाहेंगे कि आप इन प्रयासों का लाभ उठाएं और भारत एवं जाम्बिया के बीच आर्थिक और वाणिज्यिक सहयोग के लिए योगदान करें। मुझे विश्वास है कि नागरिकों और प्रवासी भारतीयों की उद्यमशीलता एवं पहल की बदौलत हमारे आर्थिक विकास की दर उच्च बनी रहेगी।

मैं जाम्बिया में आपके प्रवास और कार्य तथा दोनों देशों के बीच सहयोग के सेतु बनाने के आपके प्रयासों के लिए आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।